Tree Plantation Management Workshop Organized

on World Day to Combat Desertification and Drought

Date: June 17, 2026 **Total : 50 Participants**
Venue : Gandhivan, Jaipur, India

A training workshop focused on tree plantation management was organized at 'Gandhivan'—the environmental center of Gram Bharati Samiti (GBS)—under the GROW+ project, marking the World Day to Combat Desertification and Drought. Discussions centered on the importance of tree plantation, the necessary actions to take before and after planting, and the precautions to be observed. The workshop was led by key trainers Smt. Suman Meena, a social worker and environmentalist from Jamwaramgarh, and Shri Ganpat Singh Ji, a retired Forest Department official.

Group photo at Gandhivan

The workshop commenced at 9:00 AM. **Kusum Lata Jain**, Secretary of Gram Bharati Samiti, explained that the UNCCD (a United Nations body) observes June 17th annually as the World Day to Combat Desertification and Drought, and today's workshop was aligned with this observance. She noted that while we all engage in tree planting, we often overlook critical details; we plant trees and then forget about them, repeating the process year after year. She emphasized that the sheer number of trees planted matters less than how many actually survive and thrive.

Environmentalist **Suman Meena** highlighted the importance of tree plantation and discussed the religious and social significance of trees such as the Banyan (National tree of India), Peepal, and Neem. Having personally distributed and planted approximately 700,000 saplings to date, Suman Ji urged everyone to plant "one tree for oneself and one for one's loved ones," noting that this practice is essential for preserving the world and nature. She informed the participating students and farmers that trees serve humanity from birth until death, making tree plantation a vital activity.

Educationist Richpal Saini, who also attended the workshop, remarked that Mother Earth is our second mother, and those trees, plants, mountains, and rivers constitute her adornments and attire. We get furious if someone were to strip our mother of her adornments and clothing; how, then, can we bear to watch the trees and mountains—which serve as Mother Earth's own adornments and attire—being stripped away? We ought to feel ashamed when cutting down trees. Therefore, for every tree that must be cut, two should be planted.

Trainer **Ganpat Singh** explained that everyone should understand the proper management of tree plantation. He advised digging the planting pit a few days in advance so that the heat kills pests and the soil becomes fertile. Furthermore, planting should be done in areas with accessible water, and arrangements must be made to protect the sapling; only then does a tree become capable of surviving on its own after three years.

Ganpant singh gave step by step information for plantation management:

1. **Site Preparation & Establishment**
    - **Land Clearing**
    - **Soil Preparation:** Till or create deep planting pits to ensure taproots can grow vertically without bending.
    - **Quality Material:** Use certified, genetically improved, and disease-resistant seeds or nursery-grown seedlings to guarantee high survivability.

2. Maintenance & Operations

- **Water & Irrigation:** Monitor weather, soil moisture, and plant water uptake to implement cost-efficient irrigation.
- **Nutrition & Weeding:** Apply targeted fertilizers and mulch to enrich soil health while removing weeds that compete for vital nutrients.
- **Pest & Disease Control:** Protect plantations using biological parasites, targeted pesticides, or structural barriers (such as fencing against wildlife).
- **Pruning & Thinning:** Remove damaged, diseased, or excess shoots/stems to ensure uniform growth and resource allocation.

3. Harvesting & Sustainability

- **Rotation Cycles:** Manage the rotation—which may last 3 to 5 years for rapid-growth trees.

- **Modern Technology:** Utilize digital tools, IoT sensors, and data dashboards (e.g., geographic yield mapping) to track crop metrics, optimize resource use, and reduce waste.

Villagers Mukesh Khorwal and Kailash expressed their gratitude to the Gram Bharati Samiti for organizing the training workshop and inviting such capable trainers.

Ramchandra Saini, the organization's office secretary, thanked all the attendees and quoted Mahatma Gandhi: "The earth provides enough to satisfy every man's needs, but not every man's greed." **50 rural farmers, students, and enlightened citizens participated (30 Male and 20 Female)** in the training workshop. At the conclusion of the event, visually impaired children distributed saplings planted in painted plastic bottles.

These plastic bottles painted by blind Children

Banner

A Banyan Tree (National Tree of India) at Gandhivan, GBS, India

RANGELANDS
RECOGNIZE
RESPECT
RESTORE

DESERTIFICATION
& DROUGHT DAY
17 JUNE 2026

United Nations
Convention to Combat
Desertification

ग्राम भारती समिति

CARI

drynet

Both ENDS
Connecting people for change

ग्राम भारती समिति के पर्यावरण केंद्र गांधीवन में ग्रो+ प्रोजेक्ट अंतर्गत आयोजन

विश्व मरुस्थलीकरण दिवस पर वृक्षारोपण प्रबंधन कार्यशाला

जमवारामगढ़ (मृदुल पत्रिका)। ग्राम भारती समिति के पर्यावरण केंद्र गांधीवन में GROW+ प्रोजेक्ट अंतर्गत मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के विश्व दिवस के उपलक्ष्य में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय वृक्षारोपण प्रबंधन रखा गया। जिसमें वृक्षारोपण के महत्व तथा वृक्षारोपण से पूर्व व बाद में क्या करना चाहिए। और क्या सावधानी रखनी चाहिए। इस पर चर्चा की गयी। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जमवारामगढ़ की समाज सेवी एवं पर्यावरण प्रेमी श्रीमती सुमन मीना तथा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से रिटायर्ड श्री गणपत सिंह जी रहे।

कार्यशाला का शुभारम्भ प्रातः 9 बजे किया गया। ग्राम भारती

समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने कार्यशाला की जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ कि इकाई हर साल आज के दिन 17 जून को प्रतिवर्ष मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के विश्व दिवस के रूप में मनाता है। आज की कार्यशाला भी इसी से जुड़ी है। हम सब वृक्षारोपण करते हैं पर किन बातों का ध्यान रखा जाये ये नहीं पता। बस वृक्षारोपण करते है और भूल जाते हैं। और हर साल करते हैं। पेड़ कितने लगाये ये मायने नहीं रखता, जरूरी ये है कि कितने लगे।

पर्यावरण प्रेमी सुमन मीना ने वृक्षारोपण का महत्व समझते हुए बड़, पीपल, नीम आदि पेड़ों का धार्मिक व सामाजिक जुड़ाव बताया। अब तक अपने प्रयासो से लगभग 7 लाख पौधों का वितरण कर एवं वृक्षारोपण कर चुकी हैं। सुमन जी ने सभी से कहा कि 'एक पेड़ अपना, एक पेड़ अपनों के लिए जरूर लगाएं'। इसी से संसार व प्रकृति बचेगी। कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थियों व किसानो को जानकारी दी कि पेड़ व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक काम आता है। इसलिये वृक्षारोपण जरूर करे।

कार्यशाला में उपस्थित शिक्षाविद् रिछपाल सैनी ने बताया कि धरती माता हमारी दूसरी माँ है, और ये पेड़ पौधे, पहाड़ नदी उसका श्रृंगार व कपड़े हैं। कोई हमारी माँ के श्रृंगार व कपड़े उतारे तो कितना गुस्सा आता है फिर धरती माता के पेड़ व पहाड़ रूपी श्रृंगार व कपड़ों को हम कैसे हटता हुआ देख सकते हैं। हमें पेड़ काटते हुए शर्म आनी चाहिए। इसलिए एक पेड़ काटना पड़े तो दो पेड़ लगाओ।

प्रशिक्षक गणपत सिंह ने बताया कि वृक्षारोपण के प्रबंधन की जानकारी सभी को होनी चाहिए पेड़ लगाने से पूर्व कुछ दिन पहले गड्ढा करे जिससे गर्मी से कीटाणु मरे तथा मिट्टी उपजाऊ बने। फिर वृक्षारोपण वहाँ करे जहाँ पानी की पहुंच हो, पेड़ की सुरक्षा का प्रबंध करे। जब जाकर पेड़ तीन साल में स्वयं जीने लायक बनता हैं।

ग्रामीण मुकेश खोरवाल व कैलाश ने ग्राम भारती समिति को प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने व अच्छे प्रशिक्षकों को बुलाने हेतु आभार व्यक्त किया।

संस्था के कार्यालय सचिव रामचंद्र सैनी ने सभी आगंतुको का धन्यवाद करते हुए महात्मा गांधी का सुविचार कहा कि 'इस धरती पर हर किसी की जरूरत के लिए पर्याप्त है, लेकिन किसी के लालच के लिए नहीं।' प्रशिक्षण कार्यशाला में 50 ग्रामीण किसानों,छात्रों एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में नेत्रहीन बच्चों द्वारा पेटेड प्लास्टिक बोतल में पौधे लगाकर वितरित किये।

पत्रिका

पौधे लगाकर देखभाल करने का आह्वान

पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

टोडालडी में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसर. विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस के अवसर पर बुधवार को टोडालडी स्थित ग्राम भारती समिति के पर्यावरण केंद्र गांधी वन में आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के महत्व पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि पर्यावरण प्रेमी एवं पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुमन मीणा ने कहा कि मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुमलता जैन व वन विभाग के सेवानिवृत्त प्रशिक्षक गणपत सिंह ने पौधरोपण और पौधों की देखभाल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षाविद् रिछपाल सैनी, समाजसेवी मुकेश खोरवाल, रामचंद्र सैनी, कैलाश चंद सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

Social Media Link:

1. https://www.youtube.com/watch?v=JSi91kylpQM
2. https://dainik.bhaskar.com/p81yi5QP23b